नैक (NAAC) द्वारा "A" ग्रेड प्राप्त

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya, Wardha

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

जनसंपर्क विभाग- Ph./Fax: 07152-252651 मो.9960562305 इ-मेल: mgahvpro@gmail.com

वेबसाइट : www.hindivishwa.org

10वें विश्व हिंदी सम्मेलन भोपाल में डॉ. एच. ए. हुनगुंद की पुस्तक 'डॉ. बालशौरि रेड्डी और उनका कथा साहित्य' का लोकार्पण

वर्धा दि. 16 सितंबर 2015: महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा के भाषा विद्यापीठ के सहायक प्रोफेसर डॉ. एच.ए. हुनगुंद द्वारा लिखित पुस्तक 'डॉ. बालशौरि रेड्डी और उनका कथा साहित्य' का लोकार्पण भोपाल में हाल ही में सम्पन्न 10वें विश्व हिंदी सम्मेलन में गोवा की राज्यपाल मृदुला सिन्हा के द्वारा विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र, प्रतिकुलपति प्रो. चित्तरंजन मिश्र, राष्ट्रभाषा प्रचार समिति, वर्धा के प्रधानमंत्री प्रो. अनंतराम त्रिपाठी तथा विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. राजेंद्र प्रसाद मिश्र, आवासीय लेखक अरूणेश नीरन की प्रमुख उपस्थिति में किया गया।

डॉ. हुनगुंद की पुस्तक में तेलुगु और हिंदी भाषा के विद्वान एवं दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा के पूर्व अध्यक्ष प्रो. बालशौरि रेड्डी के संदभ में लिखा है कि प्रो. रेड्डी का एक महत्वपूर्ण योगदान यह है कि दक्षिण भारत की साहित्य परंपरा से लेकर लौकिक परंपरा के साथ-साथ इतिहास और संस्कृति के संशोधन पक्ष को भी हिंदी में उकेरकर हिंदी साहित्य के विकास में महती योगदान दिया है। उनका

साहित्य कश्मीर से कन्याकुमारी तथा विंध्याचल से अरूणाचल तक पढ़ा जाता है। उनका साहित्य के प्रति एक अद्‌वितीय योगदान है। पुस्तक में इस दृष्टि से डॉ. हुनगुंद का प्रो. रेड्डी के प्रति सृजन दृष्टिकोण स्पष्ट होता है। ऐसे संघर्षशील साहित्यकार की सृजनशीलता को समझने के लिए उक्त पुस्तक पठनीय है।

पुस्तक के लोकार्पण का आयोजन 10वें विश्व हिंदी सम्मेलन में 'हिंदी : आज और कल' के मंडप में किया गया। कार्यक्रम का संचालन विश्वविद्‌यालय के प्रदर्शनकारी कला, नाट्‌यकला एवं फिल्म अध्ययन विभाग के अध्यक्ष प्रो. सुरेश शर्मा ने किया। इस अवसर पर डॉ. अशोक नाथ त्रिपाठी, अशोक मिश्र, डॉ. राजीव रंजन राय, श्रीरमन मिश्र, बी. एस. मिरगे, राजेश यादव, राजेश अरोड़ा, डॉ. मुन्नालाल गुप्ता, अमित विश्वास, गिरीश पांडे, राजेश आगरकर, रवि वानखेडे, राष्ट्रभाषा प्रचार समिति के डॉ. हेमचंद्र वैद्‌य, नरेंद्र दंढारे आदि के साथ देश-विदेश के हिंदी के विद्‌वान उपस्थित थे।